भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. †4077
दिनांक 12.08.2026 को उत्तर देने के लिए

रोहतास और कैमूर में आरईई की खोज

†4077. श्री मनोज कुमारः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) या अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने बिहार के रोहतास और कैमूर जिलों में दुर्लभ मृदा तत्व (आरईई), पोटाश (ग्लोकोनाइट) और उससे जुड़े महत्वपूर्ण खनिजों के लिए जी4/जी3 चरण के खनिज अन्वेषण कार्य किया है;
(ख) यदि हाँ, तो पिछले पाँच वर्षों के दौरान इन जिलों में किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्षों, ब्लॉक के स्थानों, अनुमानित खनिज भंडारों और पहचाने गए निक्षेपों की ग्रेड सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का संशोधित खान और खनिज (विकास और विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम के तहत रोहतास और कैमूर में किसी भी महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी करने या अन्वेषण लाइसेंस जारी करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण खनिजों के लिए संधारणीय खनन और प्रसंस्करण अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए आवंटित निधि और परिकल्पित रोडमैप का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चंद्र दुबे)

(क) और (ख): वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के कार्यसत्र के दौरान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने मधुकुपिया-कटुदंर ब्लॉक, रोहतास जिला, बिहार में ग्लौकोनाइट के लिए एक जी3-स्तर का गवेषण किया। गवेषण के परिणामस्वरूप ग्लौकोनाइटिक सैंडस्टोन में

4.36% K_2O के औसत ग्रेड के साथ 53.58 मिलियन टन ग्लौकोनाइट और ब्लैक शेल युक्त ग्रे सैंडस्टोन में 4.68% K_2O के औसत ग्रेड के साथ 354.24 मिलियन टन ग्लौकोनाइट संसाधनों की वृद्धि हुई, दोनों का आकलन 4% K_2O कट-ऑफ ग्रेड पर किया गया है।

(ग): केंद्र सरकार ने 'ट्रेंच III' के अंतर्गत बिहार के रोहतास जिले में दो समेकित अनुज्ञप्ति ब्लॉकों अर्थात पिपराडीह-भुरवा ग्लौकोनाइट ब्लॉक और चुटिया-नौहट्टा ग्लौकोनाइट ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी की है। इसके अतिरिक्त, 'ट्रेंच VIII' के अंतर्गत बिहार के रोहतास जिले में नवारा-नवाडीह ग्लौकोनाइट ब्लॉक और टिपा ग्लौकोनाइट ब्लॉक की नीलामी के लिए निविदा आमंत्रण सूचना भी जारी की गई है।

(घ): राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) एक अखिल-भारतीय पहल है जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों की दीर्घकालिक सतत आपूर्ति को सुरक्षित करना तथा खनिज गवेषण और खनन से लेकर खनिज संवर्धन, प्रसंस्करण और अंतिम उत्पादों से पुनर्प्राप्ति तक सभी चरणों को शामिल करते हुए भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करना है।

*****